श्रम विभाग

दिनांक 22 मई 1986

सं० स्रो०वि०/एफ०डी०/11-86/17572--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० ठेकेंदार श्रब्दुल हमीद मार्फत में भाई सुन्दर दास एण्ड सन्ज प्रा० लि०, 21/1 मथुरा रोड, फरोझबाद, के श्रमिक श्री कैलाश, पृत्न श्री गुरदीन मार्फत सीटू श्राफिस, 2/7 गोपी कालोनी पुराना फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

· ग्रौर चंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतृ निर्दिष्ट करना वाछनीय समझते हैं ;

इसलिये, श्रब, श्रौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिधिसूचना सं० 5415—3—श्रम 68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए श्रिधिसूचना सं० 11495—जी—श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त श्रिधिनियम की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संविधित नीचे लिखा मामला न्यायिनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा संबंधित मामला है:—

क्या श्री कैलाश, पुत्र श्री गुरदीन की सेत्राश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं० घ्रो॰ वि॰/एफ॰ डी॰/13-83/17578,--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय हैं कि मैं॰ युनिवर्सल इलैक्ट्रीक्स लि॰, 20/3, मथुरा रोड, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री वी. के. मिश्र, म,फर्त श्री एल. एन. यादव, एम. बी -102 मुजेसर फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई घौद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्विष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, श्रव, श्रौद्योगिक विवाद श्रिवित्यम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिवित्यों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रीवित्यना सं० 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978, के साथ पढ़ते हुए श्रीवित्यना सं० 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त श्रीवित्यम, की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, की विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचें लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्विष्ट करते हैं जोकि उक्त श्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या ती विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रथवा संबंधित मामला है :---

क्या श्री बी के मिश्र, की सेवाभों का समापन न्यायोजित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं श्रो विव /पानी / 130-86 / 17584 --- चूंकि हिस्साणा के राज्यपाल की राय है कि नै ० (1) दी इन्द्री कैन ग्रोबर सोसायटी लिं ०, गांव व डा० इन्द्री, जिला करनाल, (2) कन कमोशनर एण्ड सचिव, शुगर कैन कन्द्रोल बोर्ड, हिर्पणणा कार्यालय निर्देशक एग्री ब्लचर, सैक्टर-- 17, चण्डीगढ़ के श्रमिक श्री नसीब सिंह तथा उसके प्रश्वन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामल में कोई भी बोगिक विवाद है;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप धारा (1) के खंड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं०3(44)84-3-अम, दिनांक 18 अप्रैल, 1985 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गिरत अम न्यायालय, अम्बाला को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनणैय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अपवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री नसीब सिंह, पुत्र श्री साधु राम की सेबाग्रों का समापन न्यायोजित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किसे राहत का हकदार है ?

सं भो विव /एफ़ बी । 46-86/17591 — चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं व कलच ब्राटों लिं । 12/4. मयुरा रोड, फरीदाबाद, के श्रीमक श्री महेन्द्र सिंह नागर, पुत्र श्री बीर नारायण गांव तथा पोस्ट नीमका. तहसील बल्बगढ़, फरीदाबाद तथा एसके, प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हैतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

ईसलिए, श्रव, श्रौद्योगिक विवाद श्रविनियम, 1947, की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई मंक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी प्रधिसूचना सं 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978, के साथ पढ़ते हुए श्रविसूचना सं 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त श्रश्नियम की घारा 7 के श्रवीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित तीचे लिखा मामला न्यायिनणय, एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रथवा संबंधित मामला है :---

क्या श्री महेन्द्र सिंह नागर, पुत्र श्रीवीर नारायण की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित वथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं भो वि । एफ डी । 5-86/17597 -- चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं कि फरीदाबाद फोर्जिंग प्राठ लिंक, सैक्टर 6, फरीदाबाद, के श्वमिक श्री सत्यावीर सिंह, मार्फत हिन्द मजदूर संभा, 29-शहिद चौक, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मासले में कोई श्रीदोगिक विवाद हैं;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वाछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, श्रीद्योगिक विवाद श्रीधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रीधसूचना सं 5415-3-अम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978, के साथ पढ़ते हुये श्रीधसूचना सं 11495-जी-अम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त श्रीधिनियम की धारा 7 के श्रीधीन गठित अम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त तथा उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायितर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रीमक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रीयवा संबंधित मामला है :—

क्या श्री सत्यावीर सिंह; पुत्न श्री भरत सिंह की सेवा समाप्त की गई है या उसन स्वयं त्याग पत्न देकर नौकरी छोड़ी है ? इस बिन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार है ?

संब्योबिव /एफ बीव /6-86/17603 — चूकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैंव बरमाकों फैबरीकैटरस, सैक्टर-6, फरीदाबाद, प्लाट नंव 78, फरीदाबाद, के श्रीमक श्री गुरु प्रसाद मार्फत फरीदाबाद कामगार यूनियन, 2/7, गोपी कालोनी, फरीदाबाद, तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीदोगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल ब्रिवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ; · · ·

इसलिये, श्रव, शौद्योगिक विवाद श्रीधिनयम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रीधसूचना सं 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए श्रीधसूचना सं 11495-जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त श्रीधिनयम की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायिनर्णय एवं पंचार तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रीमंक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रयवा संबंधित मामला है :--

क्या श्री गुरु प्रसाद, पुत्न श्री नत्थी लाल की छोटी नियमानुसार की गई ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

र्सं औ वि । एफ डी. | 6-86 | 17610 - चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं व वैरमाकों फैबरीकेटरस (वाल्व) डिविजन, प्लाट नं ज 78, सैक्टर 6, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री रामदेव मार्फत फरीदाबाद कामगार यूनियन, 2/7, गोपी कालोनी, पुराना फरीदाबाद तथा उसके प्रवत्वकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यताल विशाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, श्रव, श्रीवोधिक विवाद श्रीविनियम, 1947 को घारा 10 की उत्तवारा (1) के खण्ड ू(ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यवाल इसके द्वारा सरकारी श्रीवसूचना सं० 5415--3-श्रम 68/15254, दिनांक 20 जून,

1978 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं । 11495-जी-श्रम 57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त, अधिनियम की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त, या इससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से स्संगत अथवा सम्बन्धित मामला है :-

क्या श्री रामदेव, पत्न श्री वारु प्रसाद की छांटी नियमानुसार की गई है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

म्रो॰वि॰/एफ॰डी॰/36-86/17616.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं॰ गोदावरी इन्टरप्राईजिज लिं , 19 कि बिं , मथरा रोड़ , फरीदाबाद , के श्रमिक श्री जगदम्बा प्रसाद , पार्फत हिन्द मजुदूर सभा , 29 , शहीद चौक , फरीदाबाद , तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है :

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिणय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रधिसुचना सं० 54.15−3-वाग्-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978, के सीय पढ़ते हुए अधिसूचना सं 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फ़रवरी, 1958, द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फ़रीदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे ससंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत **धंयवा संबंधित' मामला है** :

विया श्री जगदम्बा प्रसाद की सेवाश्री का समापन न्यायोजित तथा ठीक है का हकदार है 🗓

> जैं० पी० रतन उप सचिव, हरियाणा सरकार श्रम विभाग ।

PUBLIC WORKS DEPARTMENT BUILDINGS AND ROADS BRANCH

Bhiwani Circle

The 15th May, 1986

No. Z-42-A/IV/447 B.—Whereas it appears to the Governor of Haryana that the land is likely to be required to be taken by Government, at the public expense; for a public purpose, namely, constructing approaches to proposed Railway over bridge in replacement of existing level crossing no. 51-C Bhiwani-Loharu Road, it is hereby notified that the land in the locality described below is likely to be required for the above purpose.

This notification is made under the provisions of section 4 of the Land Acquisition Act, 1894, to all

whom it may concern.

In exercise of the powers conferred by the aforesaid section, the Governor of Haryana is pleased to authorise the officer for the time being engaged in the undertaking with their servants and workmen to enter upon and survey any land in the locality and do all other acts required or permitted by that

Any person interested who has any objection to the acquisition of any land in the locality, any within thirty days of the publication of this notification, file an objection in writing, before the District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Bhiwani.

SPECIFICATION

District	Tehsil	Locality/ · Village	Hadbast No.	Area in acres	Khasra No.
1	2	3	4	, 5	6
Bhiwani	Bhiwani	Bhiwani	Jonpal	0.26	443, 444, 947 125
And the same of th		ş 1			27
	·				47.

Superintending Engineer, Bhiwani Circle, P.W.D., B. & R. Branch. Bhiwani.